Three-Day State-Level Workshop for KV Students at CSIR-CBRI, Roorkee

CBRI in Newspapers

Dainik Jagran

Date: 18-07-2018 Page 4

E-link: https://epaper.jagran.com/epaperimages/18072018/dehradun/17ruk-pg6-0.pdf

राज्य स्तरीय कार्यशाला में 150 विद्यार्थी करेंगे प्रतिभाग

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में बुधवार को जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ किया जाएगा। इसमें उत्तराखंड से 12 केंद्रीय विद्यालयों के 150 विद्यार्थी और शिक्षक प्रतिभाग करेंगे।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं सूचना अधिकारी डॉ. अतुल अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सीबीआरआइ रुड़की के निदेशक डा. एन गोपालकृष्णन करेंगे। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाली कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को भवन निर्माण सामग्रियों, संरचनाओं के स्वास्थ्य प्रबोधन व पुनर्वास, आपदा न्यूनीकरण, अग्नि सुरक्षा, ऊर्जा दक्ष ग्रामीण और शहरी आवास आदि के संबंध में नवीन तकनीकियों से रूबरू कराना है। कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों की ओर से व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे। जिसके अंतर्गत भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई के वैज्ञानिक डॉ. कुलवंत सिंह विद्यार्थियों का ज्ञानवर्द्धन करेंगे। साथ ही छात्रों के लिए लिखित प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, संस्थान की समृद्ध प्रयोगशालाओं का दौरा और वैज्ञानिकों के साथ मंथन सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि गत वर्ष सीबीआरआइ के पैतृक संस्थान वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और केंद्रीय विद्यालय संगठन के मध्य जिज्ञासा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ था।

Three-Day State-Level Workshop for KV Students at CSIR-CBRI, Roorkee

CBRI in Newspapers

Hindustan

Date: 19-07-2018 Page 5

E-link: http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/19072018/19072018-RRK-DDN-07.PDF

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के सभागार में जिज्ञासा विद्यार्थी वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम शुभारंभ

बच्चे तनावमुक्त रहकर पढ़ाई करें: डॉ. गोपाल

कार्यक्रम

रुड़की | हमारे संवाददाता

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में जिज्ञासा विद्यार्थी वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें राज्य के कई केंद्रीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। संस्थान निदेशक डॉ. एन गोपाल कृष्णन ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला का शुभारम्भ केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव, सीबीआरआई निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने किया। केंद्रीय विद्यालय नंबर एक के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत गाया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल अग्रवाल ने अतिथियों को तुलसी का पौधा भेंट किया। सोमित श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ग्रंथों और उपनिषदों का अध्ययन कर उनसे ज्ञान अर्जित करने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि भारत में सभी धर्मों के ग्रन्थ और प्राचीन शास्त्र अध्यात्म के साथ ही विज्ञान नैतिकता और विकास की अमूल्य निधि है।

रुड़की के सीबीआरआई में बुधवार को कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

अध्यक्षीय सम्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने सभी विद्यार्थियों को तनाव मुक्त होकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासा का महत्व समझाया। बताया कि हमें सदैव क्या, क्यों और कैसे जानने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। यह ही सीखने का प्रथम चरण है। इससे हमारे भीतर एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन होगा जो हमारे अंधविश्वासों और मिथकों को तोड़ कर हमें विकास की राह पर अग्रसर करेगा।

राज्य के इन हिस्सों से पहुंचे छात्रः पौड़ी, लैंसडौन, रायवाला, अल्मोड़ा, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी, बीएचईएल हरिद्वार के 11 केंद्रीय विद्यालयों और रुड़की के केंद्रीय विद्यालय एक और दो से सौ से अधिक विद्यार्थी अपने शिक्षकों सहित कार्यक्रम में प्रतिभागिता कर रहे हैं।

स्कॉलर बैज सेरेमनी

रुड़की। पुहाना के दिल्ली पब्लिक स्कूल में स्कॉलर बैज सेरेमनी में चौथी तक के 350 होनहार छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। निदेशक प्रदीप बत्रा ने उत्तम प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेरिट सर्टिफिकेट व ट्राफी दी। कला में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बच्चों को विशेष योग्यता पुरस्कार से नवाजा गया। इस मौके पर निदेशक ने सभी बच्चों को मेहनत और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

तकनीकी प्रधानता को दर्शाती नाटिका का मंचन

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय विद्यालय एक के विद्यार्थियों ने विज्ञान गीत, भारत की तकनीकी प्रधानता को दर्शाती नाटिका तथा स्वच्छ भारत नाटिका का सफल प्रदर्शन किया । कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनकी प्रस्तुति को काफी सराहा। इस अवसर पर सीएसआईआर सीबीआरआई की द्विभाषी त्रैमासिक पत्रिका के नवीनतम अंक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के बीच लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी कराई गई। इसमें सभी विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों, भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र, सीएसआईआरए, सीबीआरआई आदि संस्थानों को लेकर प्रश्नों के उत्तर दिए। इसके बाद विद्यार्थियों ने संस्थान की समृद्ध प्रयोगशाओं और अग्नि अनुसंधान का दौरा कर वैज्ञानिकों के साथ संवाद में कई पहलुओं के बारे में जाना और अपने संशय दूर किए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. एलपी सिंह, डॉ. सुवीर सिह,डॉ. आभा मितल, श्री विनोद कुमार, डॉ. आर धर्मराजू, डॉ. पूर्णिमा, पलक गोयल, महाराजदीन खां, विपिन कुमार त्यागी,अनीता बिष्ट, शिवानी चौधरी आदि मौजूद थे।

रुड़की के सीबीआरआई में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

Amar Ujala

Date: 19-07-2018 Page 5

E-link: https://epaper.amarujala.com/2018/07/19/rr/07/07.pdf

प्राचीन ग्रंथों से अर्जित करें ज्ञान

सीबीआरआई में 'जिज्ञासा विद्यार्थी' कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का शुभारंभ

जिज्ञासा के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राएं, संस्थान के वैज्ञानिक और कर्मचारी। - अमर उजाला

सीबीआरआई के सभागार में जिज्ञासा के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में जानकारी देते विशेषज्ञ। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की। सीबीआरआई में जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे प्राचीन ग्रंथ समृद्धशाली है। युवा पीढ़ी को इन ग्रंथों का अध्ययन कर इनसे ज्ञान अर्जन करना चाहिए।

कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भवन निर्माण सामग्रियों, संरचनाओं के स्वास्थ्य प्रबोधन तथा पुनर्वास, आपदा न्यूनीकरण, अग्नि सुरक्षा, ऊर्जा दक्ष ग्रामीण तथा शहरी आवास आदि के संबंध में नई तकनीकी जानकारी देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत, दीप प्रज्ज्वलन स हुआ। कार्यक्रम समन्वयक डा. अतुल अग्रवाल ने मुख्य अतिथि सोमित श्रीवास्वत को तुलसी का पौधा भेंट करने के साथ ही तुलसी के आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व के बारे में बताया। मुख्य अतिथि सोमित श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ग्रंथों और उपनिषदों का अध्ययन कर ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान छात्रों ने विज्ञान गीत और डिजिटल इंडिया पर नाटिका भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीबीआरआई की द्विभाषी त्रैमासिक पत्रिका भवनिका के नए अंक का विमोचन भी किया गया। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. एलपी सिंह ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। मुख्य वैज्ञानिक डा. सुवीर सिंह ने अग्नि अनुसंधान पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक डा. अतुल अग्रवाल ने छात्रों को लघु चलचित्रों से जीवन के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी। इस दौरान लिखित प्रश्नोत्तरी में छात्रों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, सीएसआईआर, सीबीआरआई जैसे संस्थानों के विषय में प्रश्नों के उत्तर दिए। इस दौरान डा. आभा मित्तल, विपिन त्यागी, अनीता बिष्ट एंव शिवानी चौधरी मौजूद रहे।

तनाव मुक्त होकर करें पढ़ाई

अध्यक्षीय संबोधन में संस्थान के निदेशक डा. एन गोपालकृष्णन ने छात्रों को तनाव मुक्त होकर पढ़ने के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हमें क्या, क्यों और कैसे जानने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। यही सीखने का प्रथम चरण है। उन्होंने कहा कि जिस छात्र का क्या, क्यों और कैसे जानने की जिज्ञासा होती है, वह उसके लिए खोज करता है। यही खोज की प्रवृत्ति छात्र को अच्छा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि कभी भी असफलता से तनाव नहीं लेना चाहिए। तनाव आगे बढ़ने से राकता है। सफलता के लिए हमेशा आगे बढ़ने की जिज्ञासा रखनी चाहिए।

Rashtriya Sahara

Date: 19-07-2018 Page 4

सीबीआरआई में तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला शुरू

रुड़की/एसएनबी।

यहां केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि रहे तथा सीबीआरआई निदेशक डा. एन. गोपालकृष्णन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

केंद्रीय विद्यालयों के सौ विद्यार्थी कार्यशाला में ले रहे हैं भाग

स्वागत करते हुए वरिष्ठ सूचना वैज्ञानिक एवं समन्वयक डा. अतुल अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को भवन निर्माण सामग्रियों, संरचनाओं के स्वास्थ्य प्रबोधन तथा पुनर्वास, आपदा न्यूनीकरण, अग्नि सुरक्षा, ऊर्जा दक्ष ग्रामीण तथा शहरी आवास आदि के संबंध में नवीन तकनीकियों से रूबरू कराने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सानिध्य से रहने का सन्देश देते हुए, मुख्य अतिथि का स्वागत तुलसी के पौधा भेंट करके किया गया। सोमित श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ग्रंथों और उपनिषदों का अध्ययन कर, उनसे ज्ञान अर्जित करने को प्रेरित किया।

न्यूज लेटर भवनिका का विमोचन करते अतिथि।

अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक डा. एन. गोपालकृष्णन ने सभी विद्यार्थियों को तनाव मुक्त होकर पढ़ने को प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासा का महत्त्व समझाते हुए बताया कि यह उनका सीखने का प्रथम चरण है। इससे उनके भीतर एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन होगा, जो उन्हें विकास की नवीन राह पर अग्रसर करेगा और वह सभी अपने-अपने विषय-विशेष के तेंदुलकर और कलाम बनेंगे।

उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा वैज्ञानिक विविधता दर्शाती एक डिजिटल इंडिया पर आधरित नाटिका तथा स्वच्छता का सन्देश देती स्वच्छ भारत नाटिका का भी प्रदर्शन किया गया। उद्घाटन के पश्चात पूर्वाह्न तकनीकी सत्र में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. सुवीर सिंह ने अग्नि अनुसंधान पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपराह्न के सत्र में डा. अतुल अग्रवाल ने लघु चलचित्रों द्वारा विद्यार्थियों को जीवन के मूल के बारे में समझाया।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. एलपी सिंह ने नैनो प्रौद्योगिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए विज्ञान के विभिन्न विषयों, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, सीएसआईआर, सीबीआरआई पर केंद्रित लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, विद्यार्थियों ने संस्थान की समृद्ध प्रयोगशालाओं-रूरल पार्क और अग्नि अनुसंधान का दौरा करते हुए, वैज्ञानिकों के साथ संवाद और मंथन सत्रों द्वारा संस्थान की तकनीकियों के विषय में विस्तारपूर्वक जाना और अपने संशयों को दूर किया। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के केंद्रीय विद्यालयों के 100 विद्यार्थी अपने शिक्षकों सहित कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर विनोद कुमार, डा. आर. धर्मराजू, डा. पूर्णिमा परिदा, पलक गोयल, महाराजदीन खां, प्राचार्य विपिन कुमार त्यागी, अनीता बिष्ट, शिवानी चौधरी आदि मौजूद थे।

Dainik Jagran

Date: 19-07-2018 Page 7

E-link: https://epaper.jagran.com/epaperimages/19072018/dehradun/18hrp-pg7-0.pdf

भारतीय ग्रंथों का करें अध्ययन

सीबीआरआइ रुड़की में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का हुआ आगाज

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में बुधवार को तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आगाज हुआ। इसमें प्रदेश के 11 केंद्रीय विद्यालयों के 100 छात्र-छात्राएं अपने शिक्षकों के साथ प्रतिभाग कर रहे हैं।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से उन्हें तुलसी का पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ग्रंथों और उपनिषदों का अध्ययन कर उनसे ज्ञान अर्जित करने को प्रेरित किया। कहा कि भारत में सभी धर्मों के ग्रंथ और प्राचीन शास्त्र अध्यात्म के साथ विज्ञान, नैतिकता और विकास की अमूल्य निधि हैं। इसी कारण अनेक सरकारी और निजी कार्यालयों ने इनके ज्ञान, छंदों या श्लोकों को अपना आधार सिद्धांत बनाया है। सीबीआरआइ के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने विद्यार्थियों को तनाव मुक्त होकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि हमें सदैव क्या, क्यों और कैसे जानने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। क्योंकि ये ही सीखने के प्रथम चरण हैं। इससे हमारे भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन होता है। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल अग्रवाल ने कहा कि हमें स्वयं प्रेरित होकर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। वहीं तकनीकी सत्र में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुवीर सिंह ने अग्नि अनुसंधान, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एलपी सिंह ने नैनो प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों ने विज्ञान गीत, डिजिटल इंडिया एवं स्वच्छ भारत पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की। वहीं विद्यार्थियों के लिए लिखित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। इसमें रुड़की केवि एक एवं दो के अलावा पौड़ी, लैंसडाउन, रायवाला, अल्मोड़ा, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी प्रथम एवं द्वितीय शिफ्ट और बीएचइएल हरिद्वार के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आभा मित्तल, विनोद कुमार, डॉ. आर धर्मराजू, डॉ. पूर्णिमा परिदा, पलक गोयल, महाराजदीन खां, विपिन कुमार त्यागी, अनीता बिष्ट, शिवानी चौधरी आदि उपस्थित रहे।

सीबीआरआइ रुड़की में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में उपस्थित छात्र • जागरण

Aaj

Date: 19-07-2018 Page 8

सीबीआरआई में जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यशाला का शुभारंभ

ग्रंथो, उपनिषदों का अध्ययन कर ज्ञान अर्जित करें छात्रः सोमित

रुड़की। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत, केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन-दिवसीय राज्य-स्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे तथा सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शुभारंभ अवसर पर यहां कार्यक्रम मे मौजूद छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए सोमित श्रीवास्तव ने कहा कि प्राचीन भारतीय ग्रंथो और उपनिषदों का अध्ययन कर, उनसे ज्ञान अर्जित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत में सभी धर्मों के ग्रन्थ और प्राचीन शास्त्र अध्यात्म के साथ ही विज्ञान, नैतिकता और विकास की अमूल्य निधि है, इसी कारण अनेक सरकारी तथा निजी कार्यालयों ने इनके ज्ञान, छंदों या श्लोकों को अपना आधार-सिद्धांत बनाया है। संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने जिज्ञासा का महत्त्व समझाते हुए बताया कि हमें सदैव क्या, क्यों और कैसे जानने की

प्रवृत्ति रखनी चाहिए क्योंकि यह ही सीखने का प्रथम चरण है। इससे हमारे भीतर एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन होगा जो हमारे अंधविश्वासों और मिथ्यों को तोड़ कर हमें विकास की राह पर अग्रसर करेगा। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने एक अंडे का उद्धाहरण देते हुए बताया कि जब एक अंडा अंदरूनी दबाव से टूटता है तो जीवन का सृजन होता है और जब वह बाहरी दबाव के कारण टूटता है तो जीवन का नाश होता है। इसी प्रकार हमें स्वयं प्रेरित होकर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय विद्यालय न. 1 के विद्यार्थियों द्वारा वैज्ञानिकों को सम्मानित करता विज्ञान गीत, भारत की आधुनिकता और तकनीकी प्रधानता को दर्शाती एक डिजिटल इंडिया पर नाटिका तथा स्वच्छता का सन्देश देती स्वच्छ भारत नाटिका का भी प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीबीआरआई की द्विभाषी त्रैमासिक पत्रिका सीबीआरआई न्यूजलेटर-भवनिका के नवीनतम अंक का विमोचन भी किया गया। डॉ. एल. पी. सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुवीर सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, डॉ एल.पी. सिंह ने अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संस्थान की समृद्ध प्रयोगशालाओं- रूरल पार्क और अग्नि अनुसन्धान का दौरा किया। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के पौड़ी, लैंसडाउन, रायवाला, अल्मोड़ा, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी प्रथम शिफ्ट, हल्द्वानी द्वितीय शिफ्ट, बीएचईएल हरिद्वार के 11 केंद्रीय विद्यालयों सहित रुड़की के केंद्रीय विद्यालय न. 1 एवं केंद्रीय विद्यालय न. 2, से 100 विद्यार्थी अपने शिक्षकों सहित कार्यक्रम में प्रतिभागिता कर रहे है। कार्यक्रम में विनोद कुमार, डॉ.-आर-मिराजू, डॉ-पूर्णिमा, परिदा, पलक, महाराजुददीन, विपिन कुमार त्यागी, अनीता बिष्ट, शिवानी चौधरी आदि मौजूद रहे।

Uttar Bharat Live

Date: 19-07-2018

ग्रंथों और उपनिषदों से ज्ञान अर्जित करने को किया प्रेरित

» सीबीआरआई में तीन दिवसीय राज्य-स्तरीय कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

रुड़की। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, में जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत, केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन-दिवसीय राज्य-स्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून के उपायुक्त सोमित श्रीवास्तव, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे तथा सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

दीप प्रज्वलन एवं केंद्रीय विद्यालय न. 1 के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सानिध्य से रहने का सन्देश देते हुए, मुख्य अतिथि का स्वागत तुलसी के पौधा भेंट करके किया गया। डॉ. अतुल अग्रवाल, कार्यक्रम समन्वयक ने तुलसी के आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्त्व के विषय में सभी को जानकारी दी।

सोमित श्रीवास्तव ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ग्रंथो और उपनिषदों का अध्ययन कर, उनसे ज्ञान अर्जित करने को प्रेरित किया। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में, संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने सभी विद्यार्थियों को तनाव मुक्त होकर पढने हेतु प्रेरित किया। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने एक अंडे का उद्धाहरण देते हुए बताया कि जब एक अंडा अंदरूनी दबाव से टूटता है तो जीवन का सृजन होता है और जब वह बाहरी दबाव के कारण टूटता है तो जीवन का नाश होता है।

इसी प्रकार हमें स्वयं प्रेरित होकर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय विद्यालय न. 1 के विद्यार्थियों द्वारा वैज्ञानिकों को सम्मानित करता विज्ञान गीत, भारत की आधुनिकता और तकनीकी प्रधानता को दर्शाती एक डिजिटल इंडिया पर नाटिका तथा स्वच्छता का सन्देश देती स्वच्छ भारत नाटिका का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीबीआरआई की द्विभाषी त्रैमासिक पत्रिका सीबीआरआई न्यूजलेटर-भवनिका के नवीनतम अंक का विमोचन भी किया गया। डॉ. एल. पी. सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन के पश्चात पूर्वाह्न तकनीकी सत्र में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. सुवीर सिंह ने अग्नि अनुसंधान पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, डॉ एल.पी. सिंह ने नैनो प्रौद्योगिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्थान की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आभा मित्तल ने तकनीकी सत्रों का संचालन किया। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के पौड़ी, लैंसडाउन, रायवाला, अल्मोड़ा, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी प्रथम शिफ्ट, हल्द्वानी द्वितीय शिफ्ट, बीएचईएल हरिद्वार के 11 केंद्रीय विद्यालयों सहित रुड़की के केंद्रीय विद्यालय न. 1 एवं केंद्रीय विद्यालय न. 2 से 100 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

Three-Day State-Level Workshop for KV Students at CSIR-CBRI, Roorkee

CBRI in Newspapers

Dainik Jagran

Date: 20-07-2018 Page 7

E-link: https://epaper.jagran.com/epaperimages/20072018/dehradun/19ruk-pg7-0.pdf

वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों का किया ज्ञानवर्द्धन

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला का गुरुवार को दूसरा दिन रहा। इस दौरान वैज्ञानिकों की ओर से विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्द्धन किया गया।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि सकरात्मक सोच से ही हम अपने साथ स्वयं से जुड़े लोगों के जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करने में सक्षम होते हैं। सीएसआइआर-सिम्फर धनबाद के रुड़की क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ. आरके गोयल ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की सुरंग, चट्टान समूह की भूवैज्ञानिक जानकारी, उत्खनन प्रणाली और प्रभावी पद्धति सुरंग उत्खनन प्रक्रिया, निर्माण उपकरणों, चुनौतियां व मुख्य सुरक्षा उपायों के विषय में जानकारी दी। माउंट आबू, राजस्थान के लक्ष्मी चंद ने तनाव और स्मृति प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देते हुए जीवन जीने की कला के बारे में बताया। कहा कि सकरात्मकता, अध्यात्म, नैतिकता का संगम ही जीवन और चरित्र निर्माण का शिल्पकार है। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के पदार्थ विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. कुलवंत सिंह ने मानव सेवा में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र विषय पर व्याख्यान दिया। इस दौरान प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सीबीआरआइ रुड़की में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित वैज्ञानिक व छात्र • जागरण

Hindustan

Date: 20-07-2018 Page 4

E-link: http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/20072018/20072018-RRK-DDN-06.PDF

सकारात्मक सोच रखें छात्र-छात्राएं: डॉ. अतुल

रुड़की | हमारे संवाददाता

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में सीबीआरआई की ओर से जिज्ञासा विद्यार्थी वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों की कार्यशाला में कई बातें बताई गई।

उन्हें भवन निर्माण सामग्रियों, संरचनाओं के स्वास्थ्य प्रबोधन व पुनर्वास, आपदा न्यूनीकरण, अग्नि सुरक्षा, ऊर्जा दक्ष ग्रामीण और शहरी आवास के संबंध में नवीन तकनीकियों के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. अतुल अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को कारात्मक सोच रखने के लिए प्रोत्साहित किया। बताया कि विचारों में बहुत शक्ति होती है। डॉ. आर के गोयल ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सुरंग, चट्टान समूह की भूवैज्ञानिक जानकारी, उत्खनन प्रणाली तथा प्रभावी पद्धति सुरंग उत्खनन प्रक्रिया, निर्माण उपकरणों, चुनौतियां तथा मुख्य सुरक्षा उपायों के विषय में बताया। बीके लक्ष्मी चंद भाई ने तनाव और स्मृति प्रबंधन के बारे में बताया। कहा कि सकारात्मकता, अध्यात्म और नैतिकता का संगम ही जीवन में तथा चरित्र निर्माण का शिल्पकार है। इस मौके पर डॉ. कुलवंत सिंह, डॉ. आभा मित्ति, डॉ. एलपी सिंह, विपिन त्यागी, डॉ. अतुल अग्रवाल, अनीता बिष्ट, डॉ. इन्दर, अश्वती, शुभांगी, प्रतिभा, दिलशाद, डीके सहगल, डॉ. नवजीव सक्सेना मौजूद रहे।

रुड़की के सीबीआरआई में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

Rashtriya Sahara

Date: 20-07-2018 Page 4

रुड़की : केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को जानकारी देते वैज्ञानिक

सकारात्मक सोच में होती है बड़ी ताकत : डा. अतुल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

रुड़की।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में आयोजित कार्यशाला के तीसरे दिन छात्रों ने वैज्ञानिक चमत्कारों के बारे में जानकारी ली। छात्रों ने ईश्वर से विद्या, मनोबल और देशप्रेम की भावना का वरदान मांगा।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने कहा कि सकारात्मक सोच में बहुत शक्ति होती है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार घड़ा पानी का मटका व मंगल कलश बनकर माथे का श्रृंगार बन जाता है। उसी प्रकार हम अपने एक सकारात्मक सोच से अपने साथ हमसे जुड़े अनेक लोगों के जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करने में सक्षम हैं। धनबाद के रुड़की क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ. रजनीश कुमार गोयल ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए विभिन्न प्रकार की सुरंग, चट्टान समूह की भूवैज्ञानिक जानकारी, उत्खनन प्रणाली तथा प्रभावी पद्धति सुरंग उत्खनन प्रक्रिया, निर्माण उपकरणों, चुनौतियां तथा मुख्य सुरक्षा उपायों के विषय में बताया। माउंट आबू, राजस्थान के बीके लक्ष्मी चंद ने तनाव और स्मृति प्रबंधन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जीवन जीने की कला के बारे में बताया। भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र, मुंबई के पदार्थ विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. कुलवंत सिंह ने मानव सेवा में भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए केंद्र द्वारा कृषि से लेकर उपलब्ध प्रौद्योगिकी के योगदान के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधान वैज्ञानिक डा. आभा मित्तल के संचालन में आयोजित कार्यक्रमों में छात्रों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं व पर्यावरण विज्ञान एवं तकनीकियों के विषय में जाना।

सीबीआरआई में कार्यशाला आयोजित

इस मौके पर डॉ. एलपी सिंह, विपिन त्यागी, डॉ. अतुल अग्रवाल, अनीता बिष्ट, डॉ. इंद्र, शुभांगी, प्रतिभा, दिलशाद, डा. के. सहगल, डॉ. नवजीव सक्सेना आदि रहे।

Aaj

Date: 20-07-2018 Page 6

छात्रों को कराया नई तकनीकों से रूबरू

रुड़की। सीएसआईआर -केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, में चल रहे तीन दिवसीय जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को भवन निर्माण सामग्रियों, संरचनाओं के स्वास्थ्य प्रबोधन तथा पुनर्वास, आपदा न्यूनीकरण, अग्नि सुरक्षा, ऊर्जा दक्ष ग्रामीण तथा शहरी आवास आदि के संबंध में नवीन तकनीकियों से रूबरू कराया गया। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को एक सकारात्मक सोच रखना ही विचारों में शक्ति पैदा करता है। उन्होनें कहा कि एक कुम्हार चिल्लम की रचना करता है तो मिट्टी का रूप मिट्टी और उसके उपभोगकर्ता दोनों को जलाता है। परन्तु वही कुम्हार जब अपनी सोच में एक सकारात्मक बदलाव लाकर मिट्टी को मटके का रूप देता है तो मिट्टी का यह रूप, जल का भण्डार कर स्वयं और उपभोगकर्ता दोनों को शीतलता प्रदान करता है। सीएसआईआर- सिम्फर, धनबाद, रुड़की क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी डॉ. आर.के. गोयल ने अपने व्याख्यान में सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर विभिन्न प्रकार की सुरंगे, चट्टान समूह की भूवैज्ञानिक जानकारी, उत्खनन प्रणाली तथा प्रभावी पद्धति सुरंग उत्खनन प्रक्रिया, निर्माण उपकरणों, चुनौतियां तथा मुख्य सुरक्षा उपायों के विषय में बताया। इस अवसर पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र, मुंबई के पदार्थ विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक एच डॉ. कुलवंत सिंह ने मानव सेवा में भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यशाला में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए एक मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों से विभिन्न राउंड्स में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, गणित आदि विभिन्न विषयों में अनेक प्रश्न पूछे गए, जिनसे विद्यार्थी बहुत लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के पौड़ी, लैंसडाउन, रायवाला, अल्मोड़ा, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी प्रथम शिफ्ट, हल्द्वानी द्वितीय शिफ्ट, बीएचईएल हरिद्वार के 11 केंद्रीय विद्यालयों सहित रुड़की के केंद्रीय विद्यालय न. 1 एवं केंद्रीय विद्यालय न. 2, से 100 विद्यार्थी अपने शिक्षकों सहित प्रतिभागिता कर रहे है। इस अवसर पर डॉ. एल. पी. सिंह, श्री विपिन त्यागी, डॉ. अतुल अग्रवाल, शुभांगी, प्रतिभा, दिलशाद, डी. के. सहगल, डॉ. नवजीव सक्सेना आदि मौजूद रहे।

Three-Day State-Level Workshop for KV Students at CSIR-CBRI, Roorkee

CBRI in Newspapers

Hindustan

Date: 21-07-2018 Page 6

E-link: http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/21072018/21072018-RRK-DDN-08.PDF

सीबीआरआई में तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन पर हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

शिवम और पुष्कर की टीम को स्वर्ण पदक

रुड़की | हमारे संवाददाता

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) में जिज्ञासा वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय के बच्चों के लिए आयोजित तीन दिवसीय राज्य-स्तरीय कार्यशाला के समापन पर हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शिवम और पुष्कर की टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भवन निर्माण सामग्रियों, संरचनाओं के स्वास्थ्य प्रबोधन तथा पुनर्वास, आपदा न्यूनीकरण, अग्नि सुरक्षा, ऊर्जा दक्ष ग्रामीण और शहरी आवास आदि के संबंध में नवीन तकनीकियों से रूबरू कराने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने बच्चों को धैर्यता का महत्व बताया। वैज्ञानिक डॉ. अचल मित्तल ने भवनों की भूकंप सुरक्षा के सिद्धांत विषय पर जानकारी दी। डॉ. ताबिश आलम ने सौर एवं ऊष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर विचार रखे।

संस्थान की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आभा मित्तल ने तकनीकी सत्रों का संचालन किया। कार्यशाला के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। केवी लैंसडाउन के शिवम सिंह असवाल और केवी अल्मोड़ा के पुष्कर रावत की टीम भाभा को प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक, केवी हल्द्वानी के मोहित सिंह और केवी नंबर 2 रुड़की की कुसुम पांडेय की टीम रमन को द्वितीय स्थान के साथ रजत पदक, केवी श्रीनगर के अयम डोभाल और केवी गौचर की मनीषा की टीम भटनागर को तीसरे स्थान के साथ कांस्य पदक और केवी न. 1, रुड़की के सौरभ उप्रेती और केवी हरिद्वार के आशीष की टीम बोस को चौथे स्थान के साथ सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यशाला में डॉ. कुलवंत सिंह, डॉ. एलपी सिंह, विपिन कुमार त्यागी, अनीता बिष्ट, शिवानी चौहान, बी. श्रीनिवास, हरीश, मेहराजुद्दीन, पलक गोयल आदि मौजूद रहे।

रुड़की के सीबीआरआई में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला के समापन के दौरान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते अतिथि। ● हिन्दुस्तान

Amar Ujala

Date: 21-07-2018 Page 7

E-link: https://epaper.amarujala.com/2018/07/21/rr/09/09.pdf

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता किए पुरस्कृत

सीबीआरआई में जिज्ञासा-विद्यार्थी एवं वैज्ञानिक कार्यशाला संपन्न

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की। सीबीआरआई में जिज्ञासा-विद्यार्थी एवं वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डा. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि

धैर्य हमारा सबसे बड़े समर्थक और योद्धा है। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. अचल मित्तल ने भवनों की भूकंप सुरक्षा के सिद्धांत विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को चिनाई इमारतों में भूकंप के मुख्य जोखिम क्षेत्रों व उनके भूकंप रोधी निर्माण तकनीकियों के विषय में बताया। वैज्ञानिक डा. ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर व्याख्यान दिया। संस्थान की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. आभा मित्तल ने तकनीकी सत्रों का संचालन किया। इस दौरान डा. कुलवंत सिंह, डा. एलपी सिंह, विपिन त्यागी आदि मौजूद रहे।

रुड़की स्थित सीबीआरआई में जिज्ञासा के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला के समापन पर छात्रों को सम्मानित करते अतिथि। अमर उजाला

प्रतियोगिता के विजेताओं में केवि लैंसडाउन के शिवमसिंह असवाल और केवि अल्मोड़ा के पुष्कर रावत की टीम, भाभा को प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। केवि हल्द्वानी के मोहित सिंह और केवि न.2, रुड़की की कुसुम पांडेय की टीम रमन को द्वितीय स्थान के साथ रजत पदक, केवि श्रीनगर के अयम डोभाल और केवि गौचर की मनीषा की टीम भटनागर को तीसरे स्थान के साथ कांस्य पदक व केवि न.1, रुड़की के सौरभ उप्रेती और केवि हरिद्वार के आशीष की टीम बोस को चौथे स्थान के साथ सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यशाला में सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र एवं ट्राफी प्रदान की गई।

Rashtriya Sahara

Date: 21-07-2018 Page 4

रुड़की : छात्रा को सम्मानित करते सीबीआरआई के वैज्ञानिक।

केंद्रीय विद्यालय अल्मोड़ा व लैंसडौन ने जीता स्वर्ण

■ रुड़की। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की में शुक्रवार को जिज्ञासा विद्यार्थी, वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता केवि लैंसडौन और अल्मोड़ा ने स्वर्ण पदक जीता।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डा. अतुल अग्रवाल ने कहा कि यदि हम धैर्य के साथ कोशिश करते रहेंगे तो कामयाबी स्वयं हमारे कदमो में आ जाएगी। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. अचल मित्तल ने भवनों की भूकंप सुरक्षा के सिद्धांत विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को भूकंप आने पर सुरक्षित निकास और सुरक्षा उपायों के विषय में भी जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दौरान आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। केवी लैंसडौन के शिवम सिंह असवाल, अल्मोड़ा के पुष्कर रावत की टीम को स्वर्ण पदक, केवी हल्द्वानी के मोहित सिंह और केवी दो, रुड़की की कुसुम पांडेय की टीम रमन को रजत और केवी श्रीनगर के अयम डोभाल, केवी गौचर की मनीषा की टीम भटनागर को कांस्य पदक, केवी एक रुड़की के सौरभ उप्रेती और केवी हरिद्वार के आशीष की टीम बोस को सांत्वना पदक प्रदान किया गया।

सीबीआरआई में कार्यशला संपन्न

कार्यशाला में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. कुलवंत सिंह, डा. एलपी सिंह, डा. आभा मित्तल, डा. ताबिश आलम विपिन त्यागी, अनीता बिष्ट, शिवानी चौहान, बी. श्रीनिवास, हरीश, मेहराजुद्दीन, पलक गोयल आदि मौजूद रहे। ■ एसएनबी

Dainik Jagran

Date: 21-07-2018 Page 4

E-link: https://epaper.jagran.com/epaperimages/21072018/dehradun/20ruk-pg6-0.pdf

केवि लैंसडाउन व अल्मोड़ा को स्वर्ण पदक

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल अग्रवाल ने करियर के अवसर विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बारहवीं के बाद स्नातक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों, परीक्षाओं और अध्ययन क्षेत्रों के विषय में जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों को धैर्यता का महत्व समझाते हुए कहा कि यदि हम धैर्य के साथ कोशिश करते रहेंगे तो कामयाबी स्वयं हमारे कदम चूमेगी। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अचल मित्तल ने भवनों की भूकंप सुरक्षा के सिद्धांत विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार की भार वहन चिनाई इमारतों में भूकंप के मुख्य जोखिम क्षेत्रों और उनके भूकंप रोधी निर्माण तकनीकियों के बारे में बताया।

साथ ही भूकंप आने पर सुरक्षित निकास और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय और वैज्ञानिक सोजु एलैक्सजैंडर ने इंटेलीजेंट सेंसर्स विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समापन सत्र में एक पैनल सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें वैज्ञानिक डॉ. अतुल अग्रवाल, वैज्ञानिक डॉ. कुलवंत सिंह, वैज्ञानिक डॉ. एलपी सिंह और केवि एक रुड़की के प्रधानाचार्य विपिन त्यागी के समक्ष विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपने अनुभव और प्रतिक्रियाएं साझा की। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इनमें केवि लैंसडौन के शिवम सिंह असवाल और केवि अल्मोड़ा के पुष्कर रावत की टीम भाभा को स्वर्ण पदक, केवि हल्द्वानी के मोहित सिंह केवि नंबर दो रुड़की की कुसुम पाण्डेय की टीम रमन को रजत पदक और केवि श्रीनगर अयम डोभाल और केवि गौचर की मनीषा की टीम भटनागर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जबकि केवि एक रुड़की के सौरभ उप्रेती और केवि हरिद्वार के आशीष की टीम बोस को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आभा मित्तल, अनीता बिष्ट, शिवानी चौहान, श्रीनिवास, हरीश, मेहराजुद्दीन, पलक गोयल आदि उपस्थित रहे।

Aaj

Date: 21-07-2018 Page 4

विद्या, मनोबल व देश प्रेम की भावना का मांगा वरदान

रुड़की। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की में शुक्रवार को जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत, केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन-दिवसीय राज्य-स्तरीय कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन का शुभारम्भ प्रार्थना से किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने ईश्वर से विद्या, मनोबल और देश प्रेम की भावना का वरदान माँगा।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को धैर्यता का महत्व समझाते कहा कि एक महान लेखक लियो टॉलस्टॉय ने कहा था कि समय और धैर्य हमारे सबसे बड़े समर्थक और योद्धा है। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अचल मित्तल ने भवनों की भूकंप सुरक्षा के सिद्धांत विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न अकार-प्रकार की भार-वहन चिनाई इमारतों, में भूकंप के मुख्य जोखिम क्षेत्रों तथा उनके भूकंप रोधी निर्माण तकनीकियों के विषय में बताया। वैज्ञानिक डॉ. ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर तथा वैज्ञानिक सोजु एलैक्सजैंडर ने इंटेलीजेंट सैंसर्स विषय पर व्याख्यान दिया। संस्थान की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आभा मित्तल ने तकनीकी सत्रों का संचालन किया। कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ. अतुल अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिकय डॉ. कुलवंत सिंह, वैज्ञानिक एच, बार्क, मुंबईय डॉ. एल. पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक य और विपिन त्यागी, प्रधानाचार्य, केंद्रीय विद्यालय न.1,रुड़की से सुशोभित एक पैनल सत्र का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। केवी लैंसडाउन के शिवम सिंह असवाल और केवी अल्मोड़ा के पुष्कर रावत की टीम भाभा को प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक, केवी हल्द्वानी के मोहित सिंह और केवी न.2,रुड़की की कुसुम पांडेय की टीम रमन को द्वितीय स्थान के साथ रजत पदक, केवी श्रीनगर के अयम डोभाल और केवी गौचर की मनीषा की टीम भटनागर को तीसरे स्थान के साथ कांस्य पदक तथा केवी न.1,रुड़की के सौरभ उप्रेती और केवी हरिद्वार के आशीष की टीम बोस को चौथे स्थान के साथ सांत्वना पदक प्रदान किया गया। कार्यशाला के सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में पौड़ी, लैंसडाउन, रायवाला, अल्मोड़ा, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी प्रथम शिफ्ट, हल्द्वानी द्वितीय शिफ्ट, बीएचईएल हरिद्वार के 11 केंद्रीय विद्यालयों सहित रुड़की के केंद्रीय विद्यालय न.1एवं केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों सहित प्रतिभागिता की। इस अवसर विपिन कुमार त्यागी, अनीता बिष्ट, शिवानी चौहान, बी. श्रीनिवास, हरीश, मेहराजुद्दीन, पलक गोयल आदि मौजूद रहे।

Uttar Bharat Live

Date: 21-07-2018 Page 5

सीबीआरआई में आयोजित कार्यशाला संपन्न

» कार्यशाला के दौरान वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू हुए विद्यार्थी

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

रुड़की। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत, केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों के लिए आयोजित तीन-दिवसीय कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन का शुभारम्भ प्रार्थना से किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने ईश्वर से विद्या, मनोबल और देश प्रेम की भावना का वरदान मांगा।

सीबीआरआई में आयोजित कार्यशाला में संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को धैर्यता का महत्व समझाते कहा कि एक महान लेखक लियो टॉलस्टॉय ने कहा था कि समय और धैर्य हमारे सबसे बड़े समर्थक और योद्धा है। धैर्य का अर्थ है इंतजार करना, किन्तु निष्क्रिय रूप से इंतजार करना नहीं, वह आलस्य है, धैर्य वह है कि हम हजार बार हारने पर भी, समय विपरीत होने पर भी पूरी निष्ठा से मेहनत और कोशिश करें और सफ्लता का इंतजार करें। हम छलनी में भी पानी को रोक सकते है, बशर्ते हम पानी के बर्फ बनने तक धैर्य रखें। यदि हम धैर्य के साथ कोशिश करते रहेंगे तो कामयाबी स्वयं हमारे कदमो में आ जाएगी। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अचल मित्तल ने भवनों की भूकंप सुरक्षा के सिद्धांत विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सीबीआरआई के वैज्ञानिक डॉ. ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर तथा वैज्ञानिक सोजु एलैक्सजैंडर ने इंटेलीजेंट सेंसर्स विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ. अतुल अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिकय डॉ. कुलवंत सिंह, वैज्ञानिक एच, बार्क, मुंबईय डॉ. एल. पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिकय और विपिन त्यागी, प्रधानाचार्य, केंद्रीय विद्यालय न. 1, रुड़की से सुशोभित एक पैनल सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से आए विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपने अनुभव और प्रतिक्रियाएं साझा इस अवसर पर कार्यशाला के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।